चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

ज्योतिष, वास्तु एवं पौरोहित्य-कौशल (सामान्यपरिचयात्मक)

अधिगम उपलब्धियाँ -

1. भारतीय प्राच्यज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न होगी।
2. ज्योतिष, वास्तु एवं पौरोहित्य का सामान्यज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. वर्तमान में इन शास्त्रों का व्यावहारिक प्रयोग जान सकेंगे।
4. आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में समर्थ होंगे।

4 क्रेडिट, 60 व्याख्यान **(आन्तरिक मूल्याङ्कन 50 + बाह्य मूल्याङ्कन 50 =पूर्णाङ्क-100)**

यूनिट-1 **10 व्याख्यान**

ज्योतिषशास्त्र का सामान्य-परिचय तथा प्रासङ्गिकता, ज्योतिष का उद्देश्य, काल (समय) भेद तथा उसकी सूक्ष्म इकाइयाँ व स्थूल इकाइयाँ एवं आधुनिक समय से उसका सम्बन्ध, पञ्चाङ्ग परिचय- पञ्चाङ्ग के अङ्ग तथा सम्वत्सर (विक्रम सम्वत्, शक सम्वत्, ईस्वी सम्वत्), अयन (उत्तरायण/दक्षिणायन), गोल (उत्तर/दक्षिण) तथा ऋतु (छः ऋतुओं) की वैज्ञानिक अवधारणा।

यूनिट-2 **10 व्याख्यान**

तिथि, पक्ष, मास (चाँद्र मास) का खगोलीय स्वरूप तथा उनके नामकरण का आधार। तारा, नक्षत्र, राशि, ग्रह, उपग्रह-परिचय, नक्षत्रों के नाम, उनके ग्रह-स्वामी, मूल-संज्ञक नक्षत्र और पञ्चक-नक्षत्र, नक्षत्र-राशि-सम्बन्ध, राशियों के नाम, तत्त्व, स्वभाव तथा उनके ग्रह-स्वामी का आकाशस्थ ग्रहों से सम्बन्ध, वार-गणना (रविवारादिक वारों के क्रम का ग्रहों से सम्बन्ध), योग (विष्कम्भादि) परिचय तथा करण (चर तथा स्थिर) परिचय।

यूनिट-3 **10 व्याख्यान**

वास्तुशास्त्र का सामान्य-परिचय तथा प्रासङ्गिकता, वास्तुपरम्परा के मुख्य प्रवर्तक और प्रमुख वास्तुग्रन्थ (उत्तरपथीय तथा दक्षिणपथीय), मानव-जीवन में गृहस्थाश्रम तथा गृहनिर्माण की आवश्यकता, वास्तु-विज्ञान के पञ्च विषय तथा वास्तुशिल्प के भेद, ग्राम/नगरवास विचार तथा काकिणी विधि से शुभाशुभ ग्राम/नगरवास-ज्ञान।

यूनिट-4 **10 व्याख्यान**

भूमिप्लव-फल तथा गजपृष्ठादि लक्षणों के आधार पर प्रशस्तभूमि, शुभाशुभ वास्तु हेतु भूपरीक्षण विधि, सूक्ष्मदिक् शोधन-विधि तथा अनिवार्यता का कारण, दिशाओं के अधिपति देवता, ब्रह्मस्थान तथा दिशाओं का गृहस्वामी पर प्रभाव, वास्तु भूखण्ड की आकृतियों के विषय में विचारणीय तथ्य।

यूनिट-5 **10 व्याख्यान**

पौरोहित्य (कर्मकाण्ड) का सामान्य-परिचय तथा प्रासङ्गिकता। धर्म, आचार, व्यवहार, जप, तप और दान का महत्त्व। प्रातर्जागरण, देवस्तुति, स्नानादि नित्यकर्म का परिचय एवं महत्त्व, पञ्चगव्य, प्राणायाम, वस्त्रधारण, पवित्रिधारण, शिखाबन्धन, आसनविचार, शुद्धजल-विचार, माला-विचार, दीपक-विचार, दिक्-विचार, पात्रों का परिचय, तिलक। स्वस्तिवाचन, सङ्कल्प, षोडशोपचारों का परिचय, सामग्री-समर्पणविधि, मुद्रा-विचार, समर्पण-फल एवं विधि।

यूनिट-6 **10 व्याख्यान**

श्रीगणेशाम्बिका-पूजन, विशेषार्घ्य-विधि, आरती, कलश-स्थापन, पुण्याह्वाचन, नवग्रह-मण्डल-परिचय, सूक्तों का पाठ, स्तोत्रों का पाठ-विधान, नाममन्त्र-विधि, बीजमन्त्र, तान्त्रिकमन्त्र आदि महत्त्वपूर्ण संस्कारों एवं व्रतों का परिचय। श्राद्ध-परिचय, तर्पण, नान्दीश्राद्ध इत्यादि। यज्ञ, पञ्चमहायज्ञ, हवन, पूर्णाहुति, प्रसाद-ग्रहण।

सन्दर्भ ग्रन्थ -

- वास्तुसौख्यम्, टोडरमल्ल, (सम्पा.) कमलाकांत शुक्ल, शिक्षण शोध प्रकाशन संस्थान, वाराणसी
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम, पीयूषधारा टीका-सहित, मोतीलाल बनारसी दास,दिल्ली
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम, श्रीदुर्गा पुस्तक भण्डार, प्रयागराज
- भारतीय वास्तुशास्त्र, शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लालबहादुरशास्त्री, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
- वास्तुप्रबोधिनी, विनोद शास्त्री और सीताराम शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- बृहद्-वास्तुमाला, राममनोहर द्विवेदी और ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी,
- वैदिक वास्तु दिग्ददर्शक - कृष्ण कुमार शर्मा
- वास्तु रत्नाकर - विन्देश्वरी प्रसाद द्विवेदी
- बृहद वास्तु माला - श्रीराम निहोर द्विवेदी
- वास्तुसार, देवीप्रसाद त्रिपाठी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2015
- ज्योतिषचन्द्रिका, रेवतीरमण शर्मा, (संपा) कान्ता भाटिया, भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली
- ज्योतिष पीयूष - पं. कल्याण दत्त शर्मा
- ज्योतिष सर्वस्व - डॉ. सुरेश चन्द्र मिश्रा
- शीघ्रबोध, काशीनाथ, सम्पा. खूबचन्दशर्मा गौड़, नवलकिशोर बुक डिपो, लखनऊ
- शीघ्रबोध, काशीनाथ, सम्पा. प्रो. बृजेशकुमार शुक्ल, रायल बुक डिपो, लखनऊ
- ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भसमालोचनिका, प्रो. बृजेशकुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- बृहत्-संहिता, अच्युतानंद झा (अनु०), चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी

- बृहत्-संहिता, राधाकृष्णन भट्ट (अनु०), मोतीलाल बनारसीदास वॉल्यूम 1 और 2, दिल्ली
- भारतीय-ज्योतिष, शंकर बालकृष्ण दीक्षित शिवनाथ झारखंडी (अनु०) हिन्दी समिति, उत्तरप्रदेश
- भारतीय-ज्योतिष, नेमीचंद शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- ब्रह्मांड एवं सौर-परिवार, त्रिपाठी देवी प्रसाद, दिल्ली
- भुवनकोश, त्रिपाठी देवी प्रसाद, दिल्ली
- पारस्करगृहयसूत्र, संपा. सुधाकर मालवीय, चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- कर्म-कौमुदी, डॉ बृजेश कुमार शुक्ल, नाग प्रकाशक, दिल्ली 2001
- कर्मठगुरु, मुकुंद बल्लभ मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 2001
- आपस्तम्बीयकर्म मीमांसा, प्रयाग नारायण मिश्र, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दु-संस्कार, राजबली पांडे चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 1995
- धर्मशास्त्र का इतिहास, प्रथम-भाग, अर्जुन चौबे, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
- संस्कार-प्रकाश, भवानीशङ्कर त्रिवेदी, लालबहादुरशास्त्री केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली
- पौरोहित्यकर्म-प्रशिक्षक, उत्तरप्रदेश-संस्कृत-संस्थान, लखनऊ
- नित्यकर्म-पूजा-प्रकाश, गीता प्रेस, गोरखपुर
- धर्म-शास्त्र का इतिहास, पांडुरङ्ग वामन काणे, (अनु०) अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम-भाग, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1973